लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 132
07 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र केंद्र

132. श्री पल्लब लोचन दास:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार संपूर्ण देश में 75 वस्त्र केंद्र शुरू करने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो असम सहित तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा तथा इनके चयन की प्रक्रिया क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि असम भारत में सबसे अधिक हथकरघा बुनकरों वाला केंद्र है; और

(घ) यदि हां, तो असम के हथकरघा और कपड़ा बुनकरों को समर्थन देने के लिए सरकार द्वारा क्या पहल की गई हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) और (ख): सरकार वर्ष 2005 से अपनी इकाइयों की स्थापना के लिए अत्याधुनिक विश्व स्तरीय अवसंरचना सुविधाएं प्रदान करने हेतु एकीकृत वस्त्र पार्क योजना लागू कर रही है। सरकार ने वर्ष 2021-22 से वर्ष 2027-28 की अवधि के लिए 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्लग एंड प्ले सुविधा सहित विश्वस्तरीय अवसंरचना विकसित करने के लिए ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइटों में 7 (सात) पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्कों की स्थापना को भी मंजूरी दी है। ये पार्क वस्त्र उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने, बड़े निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएंगे। सरकार देश भर में टेक्सटाइल हब को समर्थन देने की व्यवहार्यता का पता लगा रही है।

(ग): वर्ष 2019-20 की हथकरघा गणना के अनुसार असम में सर्वाधिक हथकरघा बुनकर हैं। असम राज्य में 11,07,428 हथकरघा बुनकर और 1,76,453 संबद्ध श्रमिक हैं।

(घ): मंत्रालय असम सहित पूरे देश में हथकरघा के विकास और संवर्धन तथा हथकरघा बुनकरों के समर्थन और कल्याण के लिए निम्नलिखित योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है: -

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी);
2. कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना (आरएमएसएस)

उपरोक्त योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्ची सामग्री, करघा और सहायक उपकरण, अवसंरचना विकास, डिजाइन और उत्पाद विकास, घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों के विपणन, बुनकर मुद्रा ऋण आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत असम राज्य में 62 हथकरघा समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

उपरोक्त के अतिरिक्त:

i. सरकारी ई-मार्केट प्लेस से बुनकरों को जोड़ने के लिए कदम उठाए गए हैं ताकि वे अपने उत्पादों को विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों को सीधे बेच सकें। अब तक लगभग 1.5 लाख बुनकर जेम पोर्टल पर जुड़ चुके हैं, जिनमें से, 3,816 बुनकर असम राज्य से हैं।

ii. उत्पादकता, विपणन क्षमताओं को बढ़ाने और बेहतर आय को सुकर बनाने के लिए, देश के विभिन्न राज्यों में 144 हथकरघा उत्पादक कंपनियों का गठन किया गया है, जिनमें से 14 उत्पादक कंपनियां असम राज्य में हैं।

iii. दिल्ली, मुंबई, वाराणसी, अहमदाबाद, जयपुर, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, कांचीपुरम, कोलकाता, इंदौर, नागपुर, पानीपत और मेरठ में बुनकर सेवा केंद्रों में 13 डिज़ाइन संसाधन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य हथकरघा क्षेत्र में और बुनकरों, निर्यातकों, निर्माताओं और डिजाइनरों को नमूना/उत्पाद सुधार और विकास के लिए डिजाइन रिपॉजिटरी तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना और डिज़ाइन-उन्मुख उत्कृष्टता का निर्माण करना है।

iv. हथकरघा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद अंतर्राष्ट्रीय विपणन मेलों/कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं/आयोजन कर रहे हैं। इसके अलावा, असम सहित देश के विभिन्न हिस्सों में बुनकरों के लिए घरेलू विपणन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं ताकि वे अपने उत्पादों का विपणन कर सकें।

*****